प्रेस विज्ञप्ति

इरेडा ने गिफ्ट आईएफएससी के ज़रिए ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग को बढ़ाने के लिए पॉलिसी सपोर्ट देने की वकालत की



गिफ्ट सिटी, गांधीनगर, 27 फरवरी 2026

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) द्वारा आयोजित एक गोलमेज सम्मेलन में, भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) श्री प्रदीप कुमार दास ने भारत के नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) परिवर्तन के लिए ऑफशोर कैपिटल जुटाने को मजबूत करने पर इरेडा के दृष्टिकोण को साझा किया।

सत्र की अध्यक्षता श्री संतोष कुमार सारंगी, आईएएस (सचिव, एमएनआरई) ने की और इसमें विशेषज्ञों के एक प्रतिष्ठित पैनल ने भाग लिया - श्री डी.जे. पांडियन, आईएएस सेवानिवृत्त (महानिदेशक, न्यू डेवलपमेंट बैंक); श्री जे.वी.एन. सुब्रमण्यम, आईएएस (संयुक्त सचिव, एमएनआरई); श्री दीपेश शाह (कार्यकारी निदेशक, आईएफएससीए); श्री आशीष खन्ना (महानिदेशक, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन) और निवेशकों, वित्तीय संस्थानों और अन्य प्रमुख हितधारकों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों।

इरेडा के सीएमडी ने इस बात पर जोर दिया कि इरेडा की गिफ्ट आईएफएससी सहायक कंपनी की स्थापना का उद्देश्य विविध विदेशी मुद्रा संसाधनों तक पहुंच बनाना और हेजिंग लागत को अनुकूलित करना है, जिससे आरई क्षेत्र के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी वित्तपोषण साधन सक्षम हो सकें।



उन्होंने रेगुलेटरी फ्रेमवर्क और मार्केट की उम्मीदों के बीच लगातार तालमेल बनाए रखने के महत्व पर ज़ोर दिया, खासकर कैपिटल एडिक्वेसी नॉर्म्स और स्पॉन्सर सपोर्ट मैकेनिज्म जैसे क्षेत्रों में, ताकि निवेशकों का भरोसा और बढ़े और कैपिटल फ्लो एफिशिएंसी बेहतर हो।

श्री दास ने हरित हाइड्रोजन, इथेनॉल और नवीकरणीय ऊर्जा घटक विनिर्माण जैसे उभरते प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को प्रतिबिंबित करने के लिए बुनियादी ढांचे के उप-क्षेत्रों की सामंजस्यपूर्ण मास्टर सूची की समय-समय पर समीक्षा और विस्तार के महत्व पर भी जोर दिया, जिससे इन क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर दीर्घकालिक बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण तक पहुंच मिल सके।

इरेडा ने गिफ्ट सिटी सहित भारत के स्थायी वित्त इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए नियामकों और हितधारकों के साथ मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।